Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—0808

PAPER—III

COMMERCE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

COMMERCE

वाणिज्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

The occupational structure of a country is closely interlinked with its economic development. In the advanced countries, a very large proportion of working force is engaged in tertiary and secondary occupation and only a small proportion of workers are engaged in the primary activities. On the other hand, in backward or underdeveloped countries, the largest percentage of workers are engaged in agriculture, and other primary occupations while a small fraction of the working force is engaged in secondary and tertiary occupations. Emphasising this close relationship between economic development and the occupational structure in a country, it can be said that a high average level of real income per head is always associated with a high proportion of working population engaged in tertiary production and a low percentage in primary production.

The empirical evidence gathered from the various studies of the contemporary advanced countries over the course of their development shows that with the development of an economy, there is a shift of workers from the primary sector to the secondary and tertiary sectors. The percentages of workers engaged in the secondary and tertiary sector increases while that in the primary sector decreases. However, the absolute number of people in agriculture and allied activities may keep on increasing in the face of increasing population, though their proportion to the total population decreases. When the economy reaches a higher stage of economic development, the absolute number of people engaged in agriculture also declines, while that in secondary and tertiary sector increases. When the economy achieves a high rate of growth and

reaches a state of economy maturity, the population of workers engaged in tertiary sector may even become larger than the population in secondary sector. There are number of reasons for such changes in occupational structure with the development of an economy. Firstly, economic development leads to fast-spread of industries in urban centres and hence much labour is attracted to them from the low productive and low income agricultural occupations. Secondly, as incomes of the people rise under economic development, their expenditure on the non-agricultural goods rises more than in proportion to their expenditure on agricultural goods such as food. In fact, beyond a point the demand for food may not increase while that for the industrial goods and services rises as income goes on increasing. Hence, there is expectation of industrial and commercial activities and the number of workers rises sharply and the commercial activities and the number of workers rises sharply in non agricultural sectors. Finally, with increasing agricultural productive a small number of workers can produce the required amount of agricultural goods as the demand is not rising in proportion and rise in income. Hence, only a smaller percentage of workers stay in the primary sector while more and more move to the secondary and tertiary sectors.

किसी देश के आर्थिक विकास और व्यावसायिक संरचना में गहरा अन्तर्सम्बन्ध है। उन्नत देशों में, श्रमिक बल का भारी अनुपात द्वितीय और तृतीय क्षेत्रों में है और इसका बहुत कम अनुपात प्राथमिक क्रियाओं में जुटा हुआ है। दूसरी ओर, पिछड़े अथवा अविकसित देशों में श्रमिकों की उच्चतम प्रतिशतता कृषि एवं अन्य प्राथमिक व्यवसायों में कार्यरत है जबकि श्रमिक दल से नाममात्र श्रमिक ही द्वितीय और तृतीय क्षेत्रों के व्यवसायों में लगे हुए हैं। किसी देश के आर्थिक विकास और व्यवसायिक संरचना के गहन अन्तर्सम्बन्ध पर बल देते हए यह कहा जा सकता है कि प्रति व्यक्ति वास्तविक आय का उच्चतम औसत स्तर सदैव श्रमिक बल का उच्च अनुपात तृतीय क्षेत्र के उत्पादन और प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादन में श्रमिक बल की निम्न प्रतिशतता से जुड़ा हुआ है।

अनुभव-सिद्ध साक्ष्य जो समकालीन जो उन्नत देशों के विकास काल में किये गए विभिन्न अध्ययनों से एकत्रित किया गया है, यह दर्शाता है कि अर्थ-व्यवस्था के विकास के साथ श्रमिक प्राथमिक क्षेत्र से द्वितीय और तृतीय क्षेत्रों में जाने लगते हैं। द्वितीय और तृतीय क्षेत्रों में श्रमिकों की प्रतिशतता बढ़ती है जबकि प्राथमिक क्षेत्र में उनकी प्रतिशतता घटती है। फिर भी, कृषि और इससे सम्बद्ध क्रियाओं में जुटे व्यक्तियों की गिनती, जनसंख्या की निरन्तर वृद्धि के कारण, चाहे बढती रहे मगर कुल जनसंख्या के अनुपात में उनकी प्रतिशतता घटती है। जब अर्थ-व्यवस्था आर्थिक विकास के उच्चतर स्तर पर पहुँचती है तब कृषि में कार्यरत् लोगों की परिशुद्ध गिनती भी

कम हो जाती है, जबकि यह गिनती द्वितीय और तृतीय क्षेत्रों में बढ़ती है। जब अर्थ-व्यवस्था विकास की उच्च दर को प्राप्त कर लेती है और आर्थिक परिपक्वता के स्तर को पा लेती है तो तृतीय क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की गिनती द्वितीय क्षेत्र की जनसंख्या से भी अधिक हो सकती है। किसी अर्थ-व्यवस्था के साथ व्यावसायिक संरचना में ऐसे परिवर्त्तनों के कई कारण हैं। प्रथम, आर्थिक विकास से नगरीय केन्द्रों में उद्योगों का तेजी से फैलाव होता है और फलत: इन उद्योगों की ओर निम्न उत्पादन और निम्न आय वाले कृषि-व्यवसायों में लगे श्रमिक इन उद्योगों की ओर आकर्षित होते हैं। द्वितीय, आर्थिक विकास से लोगों की आय बढ़ती है तो गैर कृषि-वस्तुओं पर खर्चा बढ़ता है जो उन द्वारा कृषि-वस्तुओं यथा खाद्य पर किये गए खर्च के अनुपात से कहीं अधिक होता है। वस्तुत: खाद्य की मांग विशेष बिन्दु से आगे न बढ़े जबकि औद्योगिक वस्तुओं और सेवाओं की मांग आय बढ़ने के साथ बढ़ती जाती है। इसलिए, औद्योगिक और वाणिज्य सम्बन्धी क्रियाओं में बढ़ोत्तरी अपेक्षित है, इसलिए कमर्शियल क्रियाओं में श्रमिकों की गिनती तेजी से बढ़ेगी। अन्तत: कृषि उत्पादन में वृद्धि से श्रमिकों की आगे से थोड़ी गिनती अपेक्षित कृषि वस्तुओं का उत्पादन कर सकती है क्योंकि आय की वृद्धि के अनुपात में इन की मांग में वृद्धि नहीं हो रही। इसलिए श्रमिकों की बहुत कम प्रतिशतता प्राथमिक क्षेत्र में टिकती है जबकि अधिक से अधिक श्रमिक द्वितीय और तृतीय क्षेत्रों में पहुँच जाते हैं।

1. How would you correlate occupational structure of a country with economic development ?

किसी देश के आर्थिक विकास और व्यावसायिक संरचना में अन्तर्सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

2. Under what circumstances there is shift of workers from the primary sector to the secondary and tertiary sectors ?

किन परिस्थितियों में श्रमिक प्राथमिक क्षेत्र से माध्यमिक और तृतीय क्षेत्रों में चले जाते हैं?

3. State the consequences of reaching the economy to highest stage.

उच्चतम स्तर पर पहुंचने के क्या परिणाम होते हैं?

4. What are the main reasons for the changes in occupational structure ?

व्यावसायिक संरचना में परिवर्त्तन के मुख्य कारण क्या हैं?

5. What generally happens if population goes on increasing ?

जनसंख्या के निरन्तर बढ़ने पर सामान्यतया क्या होता है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is meant by the product concept of marketing ? Discuss.

विपणन की उत्पाद धारणा का क्या अर्थ है? विवेचन करिये।

7. What are the main objectives of sales promotion ?

विक्रय संवर्धन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

8. What are the functions of WTO ?

डब्लु. टी. ओ. के कार्य क्या है?

9. What do you mean by Capital Account Convertibility ?

पूंजीगत लेखा संपरिवर्तनीयता से आप क्या समझते हैं?

10. Enumerate five major items of exports to SAARC.

सार्क को निर्यात के पाँच मुख्य मदों के नाम बताइये।

11. Write the five concepts of accounting ?

लेखाकरण की पाँच अवधारणाएँ लिखिये।

12. What is downsizing ?

डाऊनसाइज़िंग क्या है?

13. Enlist the rules of probability.

प्रायिकता के नियमों के नाम बताइये।

14. Write a note on deductions u/s 88.

अनुच्छेद 88 के अंतर्गत कटौतियों पर टिप्पणी लिखिये।

15. Explain computer application in tax computation.

कर संगणना में कम्प्यूटर अनुप्रयोग को स्पष्ट करिये।

16. What are the objectives of pricing ?

कीमत निर्धारण के उद्देश्य क्या हैं?

17. What is skills inventory ?

स्किल इनवेन्ट्री क्या है?

18. What is social accounting ?

सामाजिक लेखाकरण क्या है?

19. What is agriculture income ?

कृषि क्षेत्र की आय क्या है ?

20. What is residential status ?

आवासीय स्थिति क्या है ?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

(Accounting and Finance)

(लेखांकन तथा वित्त)

21. What is meant by Inflation Accounting ? Explain the methods of inflation accounting.
मुद्रा स्फीती लेखाकरण का क्या अर्थ है? मुद्रा स्फीती लेखाकरण के तरीकों की व्याख्या करिये।

22. How the risks and returns are measured in case of portfolios ?
पोर्टफोलियो के मामले में जोखिमों और प्रतिफलों को किस प्रकार मापा जाता है?

23. Describe the concept of venture capital funds. What are the main advantages of this fund ?
जोखिम पूँजीगत निधियों की अवधारणा की परिभाषा दें। इस निधि के मुख्य लाभ क्या हैं?

24. Explain the role of SEBI in regulating stock exchanges in India.
भारत में स्टॉक विनिमय का विनियमन करने में एस.इ.बी.आइ की भूमिका स्पष्ट करें।

25. Enumerate the working of stock exchanges in India.
भारत में स्टाक एक्सचेंज की कार्य प्रणाली की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

(Marketing)

(विपणन)

21. Explain briefly the steps to be followed in new product development.

नवीन विकास उत्पाद में आने वाले विभिन्न चरणों को संक्षेप में बताइए।

22. Discuss in detail the various steps involved in formulation of an overall marketing strategy.

समस्त विपणन रीति-नीति बनाने के विभिन्न चरणों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

23. In what ways the knowledge of buying process is helpful to a marketing manager.

एक विपणन प्रबन्धक को क्रय प्रक्रिया की समझ किस प्रकार सहायक हो सकती है।

24. Describe the major decisions involved in developing a distribution channel.

वितरण माध्यम के विकास में अन्तर्निहित मुख्य निर्णयों की व्याख्या कीजिए।

25. Explain the promotion mix determination process.

संवर्द्धन संमिश्र निर्धारण प्रक्रिया को समझाइए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

(Human Resource Management)

(मानव संसाधन प्रबन्ध)

21. What are the functions of Human Resource Manager ?

मानव संसाधन प्रबन्धक के कार्य क्या हैं?

22. What are different methods of training adopted for management trainees ?

प्रबन्धन प्रशिक्षार्थियों के प्रशिक्षण के कौन से भिन्न तरीके हैं?

23. Bring out various fringe benefits practiced by Indian companies ?
भारतीय कम्पनियों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न फ्रिंज लाभ प्रस्तुत करिये।

24. What are different social security measures inpractice in India ?
भारत में कौन से भिन्न सामाजिक सुरक्षा उपाय प्रचलित हैं।

25. Suggest measures to improve productivity of labour in textile industry ?
वस्त्र उद्योग में श्रम की उत्पादकता सुधारने के उपायों का सुझाव दें।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

(International Business)

(अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार)

21. Discuss the role of FDI in telecommunication-sector in India.
भारत में दूर संचार क्षेत्र में एफ.डी.आइ. की भूमिका का विवेचन करिये।

22. Discuss the various components of Intellectual property.
बौद्धिक सम्पत्ति के विभिन्न अवयवों का विवेचन करिये।

23. What are the major problems in introducing full convertibility of rupee ?
रुपये की पूर्ण संपरिवर्तनीयता शुरु करने में मुख्य समस्यायें क्या है?

24. "FIIs are the back-bone of Indian Capital Market". Do you agree with this statement ? Discuss.
''एफ आइ आइज़ भारतीय पूंजी बाज़ार का आधार है''। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? विवेचन करिये।

25. What are the important equity-linked instruments used for raising money in abroad ?
विदेशों में धन बढ़ाने के लिये कौन से महत्वपूर्ण इक्युटि-आबद्ध उपकरण उपयोग किये जाते हैं?

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

(Income-Tax)

(आय कर)

21. What are the legal provisions regarding deduction of tax at source from income from salary.

वेतन की आय से स्रोत पर कर कटौती के सम्बद्ध में कानूनी प्रावधान क्या है?

22. Under what circumstances capital gains on the sale of the house are exempted.

घर/मकान की बिक्री पर पूंजीगत लाभ किन परिस्थितियों के अंतर्गत माफ होते हैं?

23. Explain the deductions in respect of income of physically handicapped persons under section 80 U.

अनुच्छेद 80 U के अंतर्गत शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की आय के सम्बद्ध में कटौतियों की व्याख्या करिये।

24. Describe the provisions of the Income Tax Act, 1961, in respect of deductions for donation to charitable institutions.

परोपकारी संस्थाओं को दान राशि में से कटौती के सम्बद्ध में, आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों को स्पष्ट करिये।

25. What is a permanent Account Number ? Explain.

स्थायी खाता अंक क्या है? स्पष्ट कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. What do you mean by "balanced growth"? Point out the limitations of balanced growth as a strategy of planning in a "developing economy" ?

'सन्तुलित विकास' से आप क्या समझते हैं? 'विकासशील अर्थ-व्यवस्था' में नियोजन की रणनीति के रूप में संतुलित विकास की सीमाओं को बतलाइए।

OR / अथवा

Critically examine the causes of industrial sickness of India.

भारत में औद्योगिक रुग्णता के कारणों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Critically examine the role of cooperatives in the Agricultural Development of India.

भारत के कृषि विकास में सहकारी संस्थाओं की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....